नईदुनिया
ग्वालियर, सोमवार 01 अप्रैल 2019

तैयारी

किचन और बालकनी गार्डनिंग के लिए शहरवासी चुन रहे गर्मी से राहत देने वाली ब्रीड, कृषि महाविद्यालय के वैज्ञानिक पूछने पर देंगे जानकारी

घर के आंगन या टेरिस पर रोपे गए पौधों की सुरक्षा के लिए लगा दें ग्रीन मैट

ग्वालियर। नईदुनिया रिपोर्टर

गर्मियों के आते ही शहरवासियों ने ठंडा और शुद्ध वातावरण पाने के लिए अपने किचन और बालकनी गार्डन को संवारना शुरू कर दिया है। बालकनी में रखे गमलों में वे भले ही फूलदार पौधे रोप रहे हैं, लेकिन किचन गार्डन के लिए जरूरत पूरी करने वाले वाले पौधों को जगह दे रहे हैं। इनमें वे सब्जी देने वाले पौधें को चुन रहे हैं। ऐसा करने से उन्हें ताजी हरी सब्जी तो मिलेगी, साथ ही पॉकेट भी महंगाई की मार से बच सकेंगी। लेकिन इस तैयारी में थोड़ी सी सावधानी की जरूरत है। क्योंकि जरा सी असावधानी की वजह से रोपे गए पौधे ठीक से पनप नहीं पाएंगे। उनका कहना है गर्मी के मौसम में पौधों को सुबह-शाम ही पानी दें। पानी अधिक समय तक गमले की मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए उसमें थोड़ी सी घास और धान की भुसी डाल लें। घर की छत अथवा आंगन में पौधे रोपे गए हैं तो उन्हें तेज गर्मी से बचाने के लिए ग्रीन मैट लगा सकतें हैं। इसके अलावा गार्डनिंग करने वाले शहरवासी कृषि महाविद्यालय में नियुक्त कृषि वैज्ञानिकों से भी जानकारी जुटा सकते हैं।

गर्मी में पानी को उड़ने से रोकें

एक्सपर्ट तरुण शर्मा का कहना है तेज गर्मी होने पर गमलों से पानी जल्दी उड़ जाता है। इसके लिए गमलों को चारों तरफ से प्लास्टिक घास या धान की भुसी डालें। इससे पानी अधिक समय तक मिट्टी में नमीं बनाए रखेगा।

इनका चुनाव कर रहे

फूल- गेलाडिया, गोम्प्रिना, गोल मुड्डी, पार्चुलाका (ऑफिस टाइम) सूरज मुखी, कोचिया, एमेरंथस 'चोलीई' आदि।

लॉन की सजावट- घर के लॉन की सजावट के लिए कारपेट घास, सिलेक्शन वन घास, आर्टिफिशियल घास, सूरज मुखी, कोचिया का चुनाव किया जा सकता है।

किचिन गार्डन- पपीता, पूसा नन्ना, आम्रपाली आम, विक्रम नींबू आदि को रोपा जा रहा है।

प्लांट के रूप में इनका प्रयोग

इंग्लिश ईवी प्लांट

जो लोग घर में पालतू पेट्स रखते हैं, उन्हें इंग्लिश ईवी पौधा लगाना चाहिए। ये दूषित बेंजीन और फार्मेल्डिाइड से तो निजात दिलाता ही है, साथ ही पेट्स से होने वाली एलर्जी से भी बचाए रखता है।

बोस्टन फर्न प्लांट (शोभाकारी)

यह पौधा घर की सुंदरता बढ़ाने और सेहत के लिहाज से बहुत अच्छा है। यह उमस दूर करने में अहम भूमिका निभाता है। वहीं ठंडी के दिनों में घरों में जरूरी नमी बनाए रखने में भी सहायक होता है। फर्न, पाम, चाइना पाम और अरेका पाम, वाटर पाम और फिस पाम आदि पौधे इस कैटेगरी में आते हैं।

पीस लिली प्लांट की खूबी

यह पौधा घर के वातावरण से जाइलीन, बेंजीन, अमोनिया और ट्रिकलोरोएड्रथीन जैसे दूषित तत्व दूर करने में कारगर है। इससे रूम में रखे गमले में रोपकर फ्रेशनेस फील कर सकते हैं।

बैम्बू, रबर और एलोवेरा प्लांट

ये आम पौधे है, लेकिन इनकी उपयोगिता काफी है। यह घर या दफ्तर के माहौल को स्वच्छ रखने में मददगार है।

कृषि विशेषज्ञों से लें सुझाव

यह समय किचन और बालकनी गार्डन को संवारने का है। उनकी दुविधा को दूर करने के लिए कृषि महाविद्यालय ने अपनी सेवाएं देना शुरू कर दी हैं। शहरवासी कृषि महाविद्यालय पहुंचकर गार्डनिंग के तरीके जान सकते हैं।

डॉ. राजेश लेखी, विभागाध्यक्ष कृषि कॉलेज